



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 287]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 28, 1971/वैशाख 8, 1893

No. 287]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 28, 1971/VAISAKHA 8, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Industrial Development) ORDER

New Delhi, the 28th April, 1971

S.O. 1756.—Whereas the Andhra Scientific Company Limited, MASULIPATAM (Andhra Pradesh) (hereinafter in this Order referred to as the said industrial undertaking) is engaged in the Scheduled Industries, namely Surveying Instruments, Optical Instruments, Balances and Weights, Engineering Apparatus and Apparatus of General Laboratory and Physical and Chemical Apparatus Industries;

And whereas the Central Government is of the opinion that there has been a substantial fall in the volume of production of the articles manufactured in the said industrial undertaking for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

And whereas the Central Government is further of the opinion that it is expedient to take urgent measures to remedy the situation and to ensure that production in the said Scheduled Industries does not suffer to the detriment of the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

Shri A. Krishnaswamy, Chairman, Andhra Pradesh State Electricity Board,  
Hyderabad.

*Members*

1. Shri A. S. Bhandari, Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Cement Corporation of India Limited, New Delhi.
2. Shri V. Subramaniam, Managing Director, National Instruments Limited, Jadavpur, Calcutta.

The above body shall submit its report to the Central Government within a period of one month from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. F. 3(5)/70-L.E.(1).]

ABID HUSSAIN, Jt. Secy.

## औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

### आवेश

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1971

सा० आ० 1756.—यतः दि आंध्र साइंटिफिक कम्पनी लिमिटेड मसुली-प०म (आंध्र प्रदेश) (एतस्मिन् पश्चात् इस आदेश में उक्त औद्योगिक उपक्रम के नाम से इसका उल्लेख किया जायगा) अनुसूचित उद्योगों, नामतः पर्यवेक्षण यंत्रों, चाक्षुष यंत्रों, तराजू और बाटों (बैलेसेज एण्ड वेट्स) इंजीनियरी उपकरण एवं सामान्य प्रयोगशाला उपकरण तथा भौतिक और रसायन उपकरण उद्योगों में रत है,

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि विद्यमान आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए उक्त औद्योगिक उपक्रम में उत्पादित वस्तुओं के उत्पादन की मात्रा में काफी गिरावट आ गई है जिसका कोई भी अर्थ नहीं है,

और यतः केन्द्रीय सरकार का और आगे यह भी मत है कि स्थिति में सुधार करने तथा इस बात का सुनिश्चय करने के लिये कि उपर्युक्त अनुसूचित उद्योगों में उत्पादन से लोकहित को कोई हानि नहीं पहुंचेगी, तत्काल उपाय करना इष्टकर है;

अतः अब, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65वां) की धारा 15 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस मामले की परिस्थितियों की पूरी और सम्पूर्ण जांच करने के प्रयोजन से एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे ;

### अध्यक्ष

श्री ए० कृष्णास्वामी, अध्यक्ष, आंध्रप्रदेश राज्य बिजली बोर्ड, हैदराबाद ।

### सदस्यगण

1. श्री ए० एस० भंडारी वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी, सीमेंट कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली ।

2. श्री बी० सुब्रह्मण्यम प्रबंध निदेशक नेशनल इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड, जादवपुर, कलकत्ता ।

उपर्युक्त निकाय अपना प्रतिवेदन केन्द्रीय सरकार को इस आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से एक महीने की अवधि के भीतर प्रस्तुत करेगा ।

[सं० फा० 3(5)/70-एल० ई०(1)]

आबिद हुसैन, संयुक्त सचिव ।